पाठ 14

दोहे

मुख से

इन प्रश्नों के उत्तर बताइए।

क) निंदक से हमें क्या पता चलता है?

उत्तर- निंदक से हमें यह पता चलता है कि हमारे स्वभाव में क्या कमियां हैं, फिर हम उन्हें दूर कर लेते हैं।

ख) औरों को सुख देने से क्या लाभ मिलता है?

उत्तर- औरों को सुख देने से अपना शरीर भी शीतल होता है।

ग) क्या जन्म के साथ उत्पन्न नहीं होता है?

उत्तर- दुश्मनी, प्यार, अभ्यास और यश जन्म के साथ उत्पल नहीं होते हैं।

घ) कोयल और मेंढक किसके प्रतीक हैं?

उत्तर- कोयल और मेंढक क्रमशः सुवक्ता (अच्छा बोलने वाला) तथा कुवक्ता (बुरा बोलने वाला) के प्रतीक हैं।

कलम से

1. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) कबीर ने निंदक को अपने पास रखने के लिए क्यों कहा है?

उत्तर- कबीर ने निंदक को अपने पास रखने के लिए इसलिए कहा है क्योंकि निंदक हमारे पास रहकर हमारा ध्यान हमारी कमियों की ओर दिलाता है, जिससे हम उसे आसानी से दूर कर सकते हैं। इससे हमारा स्वभाव दोषरहित हो जाता है।

ख) मीठी वाणी बोलने से क्या होता है?

उत्तर- अपना अहंकार त्यागकर मीठी वाणी बोलने से दूसरों को तो सुख मिलता ही है, अपना शरीर भी शीतल हो जाता है।

ग) कड़वे मुख को कैसी सज़ा मिलनी चाहिए?

उत्तर- कड़वे मुख को अर्थात कड़वा बोलने वालों को उसी तरह की सजा मिलनी चाहिए, जैसा खीरा के कड़वेपन को दूर करने के लिए उसका मुंह काटकर नमक लगाकर मला जाता है तथा उसके कड़वेपन को दूर किया जाता है।

घ) बुरी संगति का असर उत्तम प्रकृति के लोगों पर कैसे नहीं पड़ता?

उत्तर- उत्तम प्रकृति के लोग चंदन के वृक्षों के समान होते हैं, जिन पर सर्पों के विष का प्रभाव नहीं पड़ता। ऐसे लोग बुराई के साथ रहकर भी उससे ज़रा प्रभावित नहीं होते। ऐसे लोगों का कुसंग भी कुछ नहीं बिगाड़ पाता।